उपन्यास - सोशियल मीडिया खतरा है क्या ?

इस ज़माने मे छोटे से लेकर बड़ा तक सोशियल मीडिया का इस्तेमाल करते है। यह अब एक ऐसा ज़रिया बन चुका है जो की मानव चिंता के परे है। सन् 1990 को इंटरनेट का अविश्कार हुआ। यह उस समय अमेरिका जैसे ~~देश~~ तक ही सीयमित था लेकिन अब इस इंटरनेट का माध्यम इतना विकसित हो चुका है कि कोई भी, कहा भी, इस संचार माध्यम का इस्तेमाल कर सकता है। इंटरनेट के अविश्कार होने के पहले ही इसका उपयोग शुरू हो गया था। उसका नाम 'इंतरनेट' था। यह सिर्फ एक कंपनी द्वारा उस कंपनी के लिए बनाया गया था वह उस कंपनी की अच्छी ~~~~ चलान के लिए बनाया गया था। यह सिर्फ एक कंपनी तक ही सियमित था।

इंटरनेट का अविश्कार से हर कई दुनिया की हर ~~~~ क्षेत्र से जुड़ गया। जिस प्रकार अनिल अंबानी ने कहा की "कर लो

दुनिया अपनी मुट्ठी में, उसी प्रकार इस जमाने में वह साक्षात्कार हो गया। उस का पूर्ण रूप है सभी व्यक्तियों के हाथ में एक मोबाईल फोन। यह सच्च है, अगर एक व्यक्ति के हाथ में एकफोन हो तो वह क्या कुछ नहीं कर सकता? उत्तर है कि सबकुछ।

सोशियल मीडिया के सागर में इस जमाने में कई मच्छलियाँ हैं। वह छोटे से बड़ों में कई (अर्थात पढ़न करें) अंकित हैं। अगर हम एक दौड़ लगाएँ तो हमें पता चलेगा की हर कोई फोन में हैं। सोशियल मीडिया की श्रेणी में पहले नंबर पर 'फेसबुक' था। इसका अविष्कार इसराएल के वासी और सौतवें सबसे अमीर व्यक्ति - मार्क सकरबर्ग ने किया था। पूरी दुनिया को एक जुट करना था इसका लक्ष्य लेकिन लगभग 75 प्रतिशत तक इस माध्यम का दुरूपयोग किया जा रहा है। इसमें चौंकानी वाली बात यह है कि इसका इस्तेमाल लगभग 25 प्रतिशत करते हैं।

पठन बताती है कि लगभग 56 प्रतिशत लोग औसतन इस माध्यम का बुरा फायदा उठाते हैं। इस साल ही लगभग 900 फेसबुक अक्काऊंट को हैक कर दिया गया है। अनेक ~~व्यक्तियों~~ लोगों के रहस्य कार्य भी इस माध्यम का दुरुपयोग से पता किया जा सकता है।

लोगों का दूसरा मनपसंदीदा माध्यम है 'वाट्सअप'। इस माध्यम से कई लोगों से बातचीत कर सकते हैं और मुखामुख बातचीत भी कर सकते हैं तथा अपने मनचाहे लोगों से अपनी भावनाएँ भी शेयर कर सकते हैं। उसके जितने ही गुण हैं, उससे भी कई गुणा उसके दोष भी हैं। इस माध्यम से एक व्यक्ति की रहस्य बातें निकाली जा सकती हैं यहाँ तक की इसका उपयोग करके एक व्यक्ति की बैंक संबंधित कार्य का भी पता लगाया जा सकता है।

तीसरा मनपसंद माध्यम है यूट्यूब का इस्तेमाल करना। यह गूगल की तरफ से

एक अनोखा ऐप है जिसमें दुनिया के किसी भी भाषा में विडियो वीडियो देखा जा सकता है। इस माध्यम के उपयोग से एक व्यक्ति अपनी वीडियो देश के से ही नहीं बल्कि पूरी धरती के लोगों से शेयर कर सकता है। लेकिन इस माध्यम में भी कई दोष है। इसका इस्तेमाल से झूठी बातें तेज़ी से व्यापक हो सकता है और यह एक जंगल में लगी आग जैसी हो सकती है। जिस प्रकार जंगल में लगी आग सभी वृक्ष को नष्ट कर देती है उसी प्रकार वह कई लोगों की ज़िंदगी बरबाद कर सकती है।

सोशियल मीडिया के आने से सारा कार्य तेज़ हो चुका है। इस माध्यम के आने से लोग निर्दय, घमंडी, स्वयस्नेही बन चुका है। मैंने खुद देखा है। अगर एक दुर्घटना होती है तो सभी व्यक्ति उस घटनास्थल के पास घेरा बनाकर अपनी फोन निकालकर उसकी विड़ियो सोशियल मिड़िया में अपलोड़ कर रहे है।

अरे भाई कम से कम तू यह सोच की अगर उसकी जगह तू होता और वह तेरी वीड़ियो लेता तो तेरी व्यथा कैसी होगी ? खड़ा है वीड़ियो लेने। मेरे भाई भले इस वीडियो को तू अपलोड़ न कर पाया हो लेकिन अगर तूने उस व्यक्ति की जान बचाली तो तुझे लाइक न मिले लेकिन तुझे उसके और उसके परिवार की दुआ मिलेगी जो करोड़ो लाइक से अधिक है।

'सोशियल मीड़िया खतरा है क्या ?'। इस प्रश्न का उत्तर मैं दूँगा की 100 प्रतिशत वह खतरनाक है। इस माध्यम से अनेक बच्चों के आँख की रोशनी नष्ट हो गई। अगर पूराने जमाने मे देखें तो सिर्फ दो या तीन लोगों को ही हमे चश्मे पहनते हुए देखने को मिलेगा लेकिन अब छह साल का बच्चे को चश्मे की जरूरत है। इसका कारण फोन है। जब फोन को एक घंटे से ज्यादा देखते है तो आँखो की रेटिना खराब

हो जाती है जिससे धीरे-धीरे उनकी आँखों की रोशनी कम हो जाती है। फोन का इस्तेमाल करने से कई को कैंसर जैसे भयानक बिमारी भी हो सकती हैं।

संचार माध्यम बहुत घातक है। इस युग के बच्चे कई बुरे काम करते हैं जो कि मनुष्य की चिंता के परे हैं। यह इतना घातक है की कई लड़कियाँ अपनी दम तोड़ देते हैं आत्महत्या करके। इसका उपयोग से कई परिवार उजड़ गए कई लड़कियाँ अपमानित हुई और अंत मे उन्होंने अपना दम तोड़ दिया। मेरी बात माने तो ऐसे करनेवाले को बीच रोड मे मार डालना चाहिए जो दूसरों की मान सम्मान से खिलवाड़ करते हैं।

संचार माध्यम बहुत घातक यह हमे पता चल चुका है लेकिन हमारी भारत सरकार ने इसके विपरित कई नियम निकाला हैं। उनमें से एक है कि अगर एक व्यक्ति झूठी बात का संचार करता है तो उसे 20,000

रुपय जुर्माना तथा आजीवन कारावास तक की सज़ा हो सकती है। अगर किसी व्यक्ति ने एक स्त्री का अपमान सोशियल मीडिया में किया तो उसे आजीवन कारावास दिया जाएगा लेकिन इस बात की शिकायत उस स्त्री या लड़की को पुलिस से करना होगा। हमारे भारत सरकार ने अश्लील चीज़े दिखाने वाले वेबसाइटस् को बैन कर दिया है अर्थात निश्चल कर दिया है। हमारी भारत सरकार ने (नए पठन के मुताबिक) एक ऐसा फयरवॉल बनाया है जो की कोई हैकर उसका तोड़ नहीं निकाल सकता।

संचार माध्यम यानी फेसबुक, वाट्सअप ने कई कदम उठाए हैं। उन्होंने हमारे भारत के सेरवर भारत सरकार के पुलिस को सौंप दी हैं जिससे हर मेसेज को निरीक्षण में रखा जाएगा। अगर कोई बुरी बात पूलिस को पता चलता है तो वह तुरंत उस पर कारवाई करती है।

अनेक विद्यार्थियों के पठन पर

गहरा असर पड़ता है इसलिए उनके माता-पिता को उनके कार्यों पर एक निरीक्षण रखना चाहिए। लेकिन एक प्रश्न है कि कैसे? इसका समाधान गूगल ने निकाला है और उस ऐप का नाम है गूगल फामिली लिंक ऐप। इसमें दो ऐप है - एक पारेंट वाला और एक किड़ वाला। पेरेंट वाला ऐप माता या पिता के फोन मे डाले और किड आप बच्चे के फोन पर। अब आप उस पर अपनी आँख रख सकते है। अगर फोन का इस्तेमाल छुपकर भी किया तो माता पिता को पता चल सकता है।

हमारा देश एक ऐसा देश है जिसमें करोड़ों लोग रहते हैं और उसमे लगभग 80 प्रतिशत लोग सोशियल मिडि़या का इस्तेमाल करनेवाले लोग है। एक शुभचिंतक ने कहा कि इंटरनेट एक दो-धार वाली तलवार है अगर उसका इस्तेमाल ठीक से नहीं किया तो वह चलानेवाले को ही घात पहुँचा सकती है। यह एक सीमा तक सच्च है क्योंकि अगर माध्यम

का उपयोग ठीक से नहीं किया तो यह बहुत घातक हो सकती है। हमारा प्रश्न था कि क्या सोशियल मीडियाँ एक खतरा है? तो हम एक नतीजे में पहुँच चुके हैं कि अगर सोशियल मीडिया का इस्तेमाल ठीक से नहीं किया तो खतरनाक और अत्याधिक घातक हो सकता है। यह हम पर निर्भर करता है कि हम सोशियल मीडिया उपयोग किस प्रकार कर सकते हैं। अगर हम इसका इस्तेमाल करेंगे तो हमारी ज़िंदगी खुशहाल होगी पर अगर इसका दुरुपयोग किया तो हमारी जिंदगी नरक के बराबर होगी। तो हर चीज़ के बदले करने के पहले सोचे क्यों हाथ से फैंकी हुई पत्थर और बिना सोचे की गई बात वापस नहीं आती। तो सोशियल मिडिया का हमेशा दुरुपयोग की जगह सदुपयोग कीजिए। जिस प्रकार हम फल के गुच्छे से अच्छे फल छाँटते हैं उसी प्रकार हमें इन माध्यमों से अच्छे ही कार्यों को अपनाना चाहिए।